● bordernewsmirror@gmail.com
● पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
● द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 नीतीश कभी अपने मौलिक सोच एवं विचारों से समझौता नहीं करते : विजय चौधरी

04 छठव्रतियों को नहीं हो कोई परेशानी: जिलाधिकारी

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, शनिवार, 18 नवम्बर 2023 www.bordernewsmirror.com ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 04, अंक: 280

धोनी पहुंचे नैनीताल, गूगल की वजह से हुए परेशान

रांची /नैनीताल। पूर्व भारतीय क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी शुक्रवार को नैनीताल पहुंचे। पूरी तरह से अपने नैनीताल आगमन को गुप्त रखने का प्रयास करने के बावजूद धोनी नगर के प्रवेश द्वार-लेक ब्रिज चुंगी पर ही पहचान लिये गये लेकिन स्वयं गूगल के भरोसे रहने की वजह से नगर की संकरी सड़कों पर भटकते रहे।

आखिर मीडिया कर्मियों ने उन्हें सही रास्ता बताया और वह पंगोट की ओर रवाना हो गये। धोनी की पत्नी साक्षी का जन्मदिन 19 नवंबर को है, और धोनी का 20 नवंबर को पंतनगर से लौटने का कार्यक्रम बताया जा रहा है। लिहाजा वह यहीं अपनी पत्नी का जन्मदिन मना सकते हैं। धोनी पंजाब के नंबर की ऑडी एवं फॉर्च्यूनर सहित चार कारों के काफिले के साथ अपराह्न करीब सवा दो तल्लीताल लेक ब्रिज चुंगी से मल्लीताल की ओर लोवर मॉल रोड से गुजरे।

पोलिंग पार्टी पर छत्तीसगढ़ में आईईडी ब्लास्ट

मतदान करवाकर लौट रहे थे जवान, आईटीबीपी का जवान बलिदान

गरियाबंद/रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के बीच शुक्रवार को नक्सल प्रभावित गरियाबंद जिले में पोलिंग पार्टी पर नक्सलियों ने आईईडी ब्लॉस्ट किया है। मतदान करवाकर लौट रही पोलिंग पार्टी में शामिल आईटीबीपी का एक जवान बलिदान हो गया तथा कई जवान घायल हो गए हैं।

आईजी रायपुर रेंज आरिफ शेख ने बताया कि जब पोलिंग पार्टी बड़े गोबरा मतदान केंद्र से लौट रही थी, तभी नक्सलियों ने पोलिंग पार्टी को निशाना बनाते हुए आईईडी ब्लास्ट किया। धमाके में आईटीबीपी के हेड कांस्टेबल जोगिंदर सिंह की मौत हो गई। इसके बाद पोलिंग पार्टी और ईवीएम मशीन सुरक्षित गरियाबंद पहुंच गई है। उन्होंने बताया कि इस ब्लास्ट में कई जवान मामूली रूप से घायल हैं, जिनका उपचार मैनपुर के अस्पताल में चल रहा है।

नक्सल प्रभावित गरियाबंद जिले के नौ पोलिंग बूथ पर सुबह 7 बजे से 3 बजे तक मतदान हुआ था। मतदान के बाद पोलिंग पार्टी वापस लौट रही थी। इसी दौरान आईईडी ब्लॉस्ट हो गया। इस घटना के बाद पोलिंग पार्टी को अलग रास्तों से वापस भेजा जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में 68 और मप्र में 71. प्रतिशत मतदान

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ में दूसरे चरण और मध्य प्रदेश की सभी विधानसभा सीटों पर शुक्रवार को क्रमशः 68.15 प्रतिशत और 71.16 प्रतिशत मतदान हुआ। मतदान के आंकड़े शाम पांच बजे तक के हैं। अंतिम नतीजों में वृद्धि हो सकती है। मतदान छिटपुट घटनाओं को छोड़कर शांतिपूर्ण रहा ।

पहली बार छत्तीसगढ़ के रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदान केंद्रों पर महिला स्टाफ की तैनाती की गई, जिन्होंने वहां का कामकाज बखूबी संभाला। निर्वाचन क्षेत्र में स्थापित 201 मतदान केंद्रों पर 1046 महिलाओं को तैनात किया गया था। इन सभी महिलाओं द्वारा प्रबंधित मतदान केंद्रों ने सभी मतदाताओं, विशेष रूप से महिला और तीसरे लिंग के मतदाताओं को अधिक समावेशी चुनावों के लिए आराम और सुरक्षा की भावना प्रदान की।

मतदाताओं के लिए मतदान केंद्र सुलभ बनाने की दृष्टि से छत्तीसगढ़ में 100 से कम मतदाताओं वाले भरतपुर-

सोनहत विधानसभा क्षेत्र में 11 मतदान केंद्र स्थापित किए गए थे। शेराडांड में केवल 5 मतदाता थे, जिनके लिए एक मतदान केंद्र स्थापित किया गया था।

मध्य प्रदेश के बालाघाट विधानसभा में सोनेवानी मतदान केंद्र पर सभी पंजीकृत 42 मतदाता (26 महिला और 16 पुरुष मतदाता) वोट डालने के लिए एक साथ आए, जिससे शत प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

मध्य प्रदेश में 5000 महिला प्रबंधित मतदान केंद्र, लगभग 200 दिव्यांग प्रबंधित मतदान केंद्र और लगभग 15000 मॉडल मतदान केंद्र स्थापित किए गए थे। छत्तीसगढ़ चुनाव के दूसरे चरण में लगभग 700 महिला प्रबंधित मतदान केंद्र, लगभग 70 दिव्यांग प्रबंधित मतदान केंद्र और लगभग 350 मॉडल मतदान केंद्र स्थापित किए गए थे। छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में आदिवासियों के लिए विशेष थीम आधारित मतदान केंद्र भी बनाए गए।

जनजातीय समुदायों के बीच मतदान को सुविधाजनक बनाने के लिए चुनाव आयोग ने ठोस प्रयास किए थे। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में रहने वाले विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूह के बीच शत प्रतिशत नामांकन हासिल किया गया। इन समुदाय से संबंधित 7.52 लाख से अधिक मतदाता हैं, अर्थात छत्तीसगढ़ में कमार, भुंजिया, बैगा, पहाड़ी कोरवा, अबुझमाडिया, बिरहोर और मध्य प्रदेश में सहरिया, भारिया और बैगा मतदाता के रूप में पंजीकृत थे। इन समुदायों के आदिवासी लोकतंत्र के उत्सव में भाग लेने के लिए उत्साहित थे, क्योंकि आदिवासी जीवन शैली पर आधारित मतदान केंद्र समुदाय के सदस्यों को मतदान केंद्र पर आने और मतदान करने के लिए अनुकूल माहौल प्रदान करते थे।

मध्य प्रदेश की 230 विधानसभा सीटों के लिए प्रातः 7 से शाम 6 बजे तक मतदान चला। नक्सल प्रभावित बालाघाट जिले की 3 विधानसभा बैहर, लांजी और परसवाड़ा तथा मंडला के 55 और डिंडोरी के 40 मतदान केंद्रों पर सुबह 7 से अपराह्न 3 बजे तक वोटिंग हुई।

प्रदेश के कुल 230 विधानसभा क्षेत्रों के लिए 2533 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। इनमें 2280 पुरुष, 252 महिला और 1 थर्ड जेंडर अभ्यर्थी शामिल हैं। छत्तीसगढ़ की 70 विधानसभाओं में मतदान सुबह 8 बजे से पांच बजे तक चला। इस चरण में 958 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं।

पूर्वी फेस्टिवल कार्यक्रम आयोजित

मोतिहारी। बापू सभागार में पहले से निर्धारित कार्यक्रम पूर्वी फेस्टिवल जिसको कला सुधा के सौजन्य से भाग्य नारायण चौधरी के आयोजन में संपन्न किया गया।

कार्यक्रम का उदघाटन प्रफुल्ल कुमार, कमांडेंट, 71 एस एस बी पिपराकोठी द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर साढ़े तीन बजे किया गया जिन्होंने इस क्लासिकल म्यूजिक परंपरा को जो विलुप्त होती जा रही है को आगे बड़ाने और एस एस बी की स्थापना काल से लक्ष्य, आगे की भूमिका की तरह और गांधी के चंपारण मोतीहारी आगमन, संघर्ष तथा जीत आजादी की तरह इसे फिर से ऊंचाई तक ले जाने में सहयोग और समर्थन तथा सफलता का संदेश संकल्प लिया। श्रीं कुमार को आयोजक भाग्य नारायण चौधरी द्वारा बुके टोपी से सम्मानित किया। कार्यक्रम की शुरुवात वासुरीवादन से शुरु हुआ और गिटार हारमोनियम ढोलक आदि बहुत बाध्य यंतो का प्रदर्शन, छठ गीत, मीरा भजन आदि गीतो की प्रस्तुती की गई।

कार्यक्रम साढ़े तीन बजे से साढ़े 8 बजे तक लगातार चलता रहा। श्रोतागण इस सांस्कृतिकक्लासिकल कार्यक्रम में मुग्ध तल्लीन हुए कि समय का पता ही नहीं चला।

इंडो नेपाल गंडक बराज सीमा पर एसएसबी ने एक किलो गंजा के साथ तस्कर को गिरफ्तार किया

बगहा। इंडो नेपाल सीमा पर एसएसबी जवानों ने एक किलो गांजा के साथ एक नेपाली तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक को एसएसबी ने वाल्मीकिनगर थाना के सुपुर्द कर दिया जिसे एनडीपीएस एक्ट के तहत पुलिस ने जेल भेज दिया है।

सावधानी मंगलवार से पंच पूजायें हो गईं थी शुरू

बदरीनाथ धाम के कपाट आज से होंगे बंद

बदरीनाथ/जोशीमठ

श्री बदरीनाथ धाम के कपाट 18 नवंबर को सायंकाल शीतकाल हेतु बंद हो जाएंगे। इसी क्रम में मंगलवार से पंच पूजायें शुरू हुई थीं। इसी क्रम में शुक्रवार पूर्वाह्न रावल ईश्वर प्रसाद नंबूदरी ने लक्ष्मी माता को श्री बदरीनाथ मंदिर गर्भ गृह में विराजमान होने के लिए आमंत्रण दिया तथा धर्माधिकारी राधाकृष्ण थपलियाल सहित वेदपाठी रविंद्र भट्ट तथा लक्ष्मी मंदिर के पुजारियों ने मां लक्ष्मी की पूजा की तथा कढ़ाई भोग चढ़ाया।

श्री बदरीनाथ -केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने कहा कि कपाट बंद करने की सभी तैयारियां पूरी की जा चुकी हैं।

इस मौके पर बीकेटीसी उपाध्यक्ष किशोर पंवार, मुख्य कार्याधिकारी योगेंद्र सिंह, मंदिर अधिकारी राजेंद्र चौहान, सहायक मंदिर अधिकारी राजेन्द्र सेमवाल, दिनेश डिमरी, श्रीराम डिमरी, विपुल डिमरी, विवेक थपलियाल, लेखाकार भूपेंद्र रावत, जगमोहन बर्त्वाल, संतोष तिवारी, मीडिया प्रभारी डा.हरीश गौड़, केदारसिंह रावत, अनसूया नौटियाल, अजीत भंडारी, हरेंद्र कोठारी आदि मौजूद रहे। श्री बदरीनाथ- केदारनाथ मंदिर समिति के मीडिया प्रभारी डा. हरीश गौड़ ने बताया कि पंचपूजाओं के पांचवें दिन यानी 18 नवंबर रावल जी स्त्री भेष धारण कर माता लक्ष्मी को बदरीनाथ मंदिर गर्भ गृह में विराजमान करेंगें। श्री उद्धव जी एवं कुबेर जी मंदिर प्रांगण में आ जायेंगे तथा अपराह्न ठीक 3 बजकर 33 मिनट पर श्री बदरीनाथ धाम के कपाट शीतकाल हेतु बंद हो जायेंगे।

नहाय खाय के साथ ही लोक आस्था का महापर्व 'छठ' शुरू, खरना आज

राकेश कुमार

बिहार/मोतिहारी। शुक्रवार को नहाय खाय के साथ ही लोक आस्था का महापर्व 'छठ' शुरू हो चुका है। जिसका समापन 20 नवंबर को हो जाएगा। चार दिनों तक चलने वाला ये पर्व सभी के लिए बहुत खास है। छठ पूजा न केवल बिहार में बल्कि देश के कई राज्यों में भी बड़े धूमधाम से मनाई जाती हैं। इसे साल के सबसे बड़े त्योहार के रूप में मनाया जाता है। इसकी शुरुआत नहाय-खाय के साथ होती है। छठ पूजा का ये व्रत संतान की दीर्घायु और खुशहाल जीवन के लिए किया जाता है। इस दौरान महिलाएं निर्जला उपवास रखती हैं। छठ के पहले दिन नहाय-खाय, दूसरे दिन खरना, तीसरे दिन डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। फिर उसके अगले दिन उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही छठ महापर्व का समापन होता है। छठ के सभी दिनों का विशेष महत्व होता है। हालांकि, छठ के दूसरे दिन का विशेष महत्व होता है। इस दिन खरना किया जाता है। साथ ही इससे जुड़े कई नियमों का ध्यान भी रखा जाता है।

खरना तिथि

आज यानी 18 नवंबर 2023 को छठ का दूसरा दिन है। दूसरे दिन खरना किया जाता है। इस दौरान सूर्योदय का समय सुबह 06:46 बजे का रहेगा और सूर्यास्त शाम 05:26 बजे होगा।

छठ पूजा के दूसरे दिन का महत्व:

छठ पूजा के दूसरे दिन महिलाएं पूरे दिन उपवास रखती हैं। शाम के समय मिट्टी के नए चूल्हे पर गुड़ की खीर प्रसाद के रूप में बनाई जाती है। इसी प्रसाद को व्रती ग्रहण करते हैं।

छठ पर्व के दूसरे दिन के नियम:

- खरना वाले दिन घर में साफ सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए।
- इस दिन बनने वाला प्रसाद को चखने की भूल न करें। साथ ही खरना पूजा का प्रसाद ऐसे स्थान पर बनाए, जहां रोजमर्रा का खाना न बनता हो।
- छठ पर्व के दिनों में घर में प्याज और लहसुन का सेवन न करें
- छठ का व्रत रखने वाली महिलाएं उन्हें पलंग या चारपाई पर नहीं सोना चाहिए। वह जमीन पर कपड़ा बिछाकर सोएं।
- व्रत रह रही महिलाएं याद रखें कि, सूर्य को अर्घ्य दिए बिना किसी भी चीज का सेवन न करें।

बालू माफियाओं का नहीं थम रहा आतंक, युवक को कुचला

जमुई। बिहार के जमुई में बालू माफियाओं का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। बालू माफिया और ट्रक चालक लगातार बिहार पुलिस को खुली चुनौती दे रहे हैं। एक बार फिर से बालू लदे ट्रक ने एक युवक को कुचल दिया जिससे उसकी मौत हो गई। बता दें कि यह कोई पहली घटना नहीं है, इसके पहले भी बालू लदे ट्रक चालकों के द्वारा जमुई में दो बड़े हादसों को अंजाम दिया जा चुका है।बालू लदे ट्रक ने युवक को कुचलाः घटना जिले के लक्ष्मीपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत कोहबरवा झाझा मुख्य सड़क के जिनहरा बाजार के समीप की है। बताया जाता है कि ट्रक बालू लिए तेज रफ्तार से जा रहा था, तभी ये घटना हुई। ट्रक चालक युवक को रौंदते हुए निकल गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान जिनहरा तुरी टोला निवासी अरविंद तुरी के छोटा बेटे सचिन तुरी के रूप में की गई।

पिछले दिनों में मंगलवार को ही जमुई में अवैध बालू लदे तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने भागने के क्रम में पुलिस के वाहन में जोरदार टक्कर मारी थी। जिससे पुलिस की गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार

एसआई प्रभात रंजन की मौके पर ही मौत हो गई थी। इस घटना में एक पुलिस जवान राजेश कुमार घायल हो गए थे।

वहीं बुधवार को भी बाइक सवार युवकों को बालू लोड करने जा रहे ट्रक ने अपनी चपेट में ले लिया था, जिससे एक युवक की मौत हो गई थी। इस घटना से आक्रोशित लोगों का गुस्सा अभी कम भी नहीं हुआ था कि बालू माफियाओं के ट्रक ने आज फिर एक युवक की जान ले ली। घटना के बाद स्थानीय लोगों में काफी नाराजगी है।

चिराग ने चाचा की ली चुटकी कहा

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने स्पेशल स्टेटस के मुद्दे पर एक बार फिर अभियान चलाने का फैसला लिया है। पटना के बापू सभागार में गुरुवार 16 नवंबर को मुख्यमंत्री उद्यमी योजना कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करने के दौरान सीएम नीतीश ने एक बार फिर से स्पेशल स्टेटस की मांग दोहरायी। नीतीश की इस मांग पर लोजपा रामविलास के सांसद चिराग पासवान ने हमला किया है। नीतीश कुमार के द्वारा विधानसभा में पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के तू तड़ाक भाषा में बात किये जाने पर चिराग पासवान ने कहा कि नीतीश कुमार दलितों को नीचा दिखाना चाहते हैं। जाति की राजनीति करते हैं। जीतन राम मांझी नीतीश कुमार से उम्र में बड़े हैं और बिहार में आज तक अपने से बड़ों को कभी तू तड़ाक नहीं किया है। नीतीश कुमार की बुद्धि भ्रष्ट हो गई है। कभी अश्लील बात बोलते हैं तो कभी अलग-अलग अंदाज में मीडिया से दूरी बनाते हैं, प्रणाम करते हैं ।इससे साफ जाहिर होता है कि नीतीश कुमार को चेकअप कराने की जरूरत है। जमुई में दरोगा की हत्या की घटना पर चिराग पासवान ने कहा कि यह बड़ी दुखद घटना है।

नीतीश कभी अपने मौलिक सोच एवं विचारों से समझौता नहीं करते : विजय चौधरी

पटना। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के एक साक्षात्कार में नीतीश कुमार पर संगति का असर पड़ने वाली बात पर प्रतिक्रिया देते हुए शुक्रवार को संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि सबसे अधिक भाजपा के नेता ही इस बात के साक्षी रहे हैं कि नीतीश कुमार चाहे किसी दल या गठबंधन में रहें, वे कभी अपने मौलिक सोच एवं विचारों से समझौता नहीं करते।

विजय चौधरी ने कहा कि यही कारण है कि गठबंधन बदल जाने पर भी बिहार के प्रगति की रफ्तार बाधित नहीं होती। चौधरी ने कहा कि दरअसल, जातीय गणना का चुनौती भरा कार्य देश में पहली बार सफलतापूर्वक सम्पन्न करने एवं इनके आंकड़े के आधार पर दलितों, पिछड़े एवं अति-पिछड़ों के लिए आरक्षण सीमा बढ़ाने के साथ सभी जाति के गरीबों की पहचान कर उनके आर्थिक विकास की योजना बनाने के निर्णय से भाजपा बेचैनी महसूस कर रही है। अभी तो बिहार से सीख लेकर पूरे देश में जातीय जनगणना कराकर दलितों, पिछड़ों-

अति पिछड़ों के साथ सभी जाति के गरीबों के साथ न्याय कराना ही राष्ट्रीय विमर्श का मुद्दा है।

मंत्री चौधरी ने कहा कि जान-बूझकर गरीबों की हकमारी करने के लिए ही भाजपा राष्ट्रीय विमर्श के मुख्य मुद्दे से जनता का ध्यान भटकाना चाहती है।

चुनाव मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में सियासत का समीकारण

दांव पर लगी सीएम नीतीश की प्रतिष्ठा

पटना। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की किस्मत भी दांव पर लगी हुई है। जदयू को देश के अन्य राज्यों में संगठन विस्तार देने के लिए पार्टी ने इस बार के चुनाव में कई विधानसभा सीटों पर उम्मीदवार उतारने की घोषणा की थी। जदयू की ओर से मध्य प्रदेश की 10 विधानसभा सीटो पर उम्मीदवार उतारने की घोषणा की थी। इसमें पार्टी ने पिछोर सीट से चंद्रपाल यादव, राजनगर सीट से रामकुंवर रायकवार, विजय राघवगढ़ सीट से शिव नारायण सोनी, थांदला सीट से तोल सिंह भूरिया और पेटलावद सीट से रामेश्वर सिंगला को चुनावी मैदान में उतारा। वहीं जदयू की दूसरी सूची में भी पांच उम्मीदवार रहे। जदयू ने सागर जिले के नरियावली (एससी) से सीताराम अहिरवार, नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव

(एससी) से प्रमोद कुमार मेहरा, कटनी जिला के बहोरीबंद से पंकज मौर्या, जबलपुर उत्तर से संजय जैन और बालाघाट विधानसभा क्षेत्र से विजय कुमार पटेल को मैदान में जदयू ने उतारा ।

जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने मध्य प्रदेश में उम्मदीवार उतारने के पार्टी के फैसले का बचाव किया था। उन्होंने कहा था कि जदयू देश भर में पार्टी को विस्तार देने के लिए स्वतंत्र है। पार्टी पहले भी मध्य प्रदेश में चुनाव लड़ चुकी है। वहीं एक ओर सीएम नीतीश की पहल पर भाजपा को लोकसभा चुनाव में हराने के लिए विपक्षी दलों का गठबंधन इंडिया बनने और दूसरी ओर विधानसभा चुनाव में एक दूसरे को चुनौती देने का भी ललन सिंह ने बचाव किया था। उन्होंने कहा था कि इंडिया का गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए है। मध्य प्रदेश में जदयू ने पहला विधानसभा चुनाव 1998 में लड़ा। 144 उम्मीदवार थे। 135 की जमानत नहीं बची। पाटन सीट पर सोबरान सिंह बाबूजी की जीत हुई। 2003 में उम्मीदवारों की संख्या घटकर 36 रह गई। बड़वारा से सरोज बच्चन नायक चुनाव जीते। 33 की जमानत जब्त हुई। 2008 का मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव जदयू के लिए बहुत बुरा रहा।

डिग्री कॉलेज का विधायक ने किया उद्घाटन

बीएनएम@केसरिया

प्रखण्ड क्षेत्र के मठिया में स्थापित के एस आर एन एस डिग्री कॉलेज का शुक्रवार को केसरिया विधायक शालिनी मिश्रा व पूर्व विधायक सचिंद्र प्रसाद सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए विधायक श्रीमती मिश्रा ने कहा कि यह महाविद्यालय केसरिया क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए वरदान साबित होगा। उच्च शिक्षा के लिए अब क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को बाहर नहीं जाना पड़ेगा। समारोह के दौरान आगत अतिथियों को महाविद्यालय परिवार द्वारा अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता सेवानिवृत्त शिक्षक रामबाबू सिंह ने किया। मौके पर रजनीश कुमार पाठक, मुखिया ज्योति देवी, जितेंद्र सिंह, राकेश सिंह, संजय किशोर तिवारी, शोभा सिंह, मो इशाक आजाद, गुड्डू खान सहित अन्य मौजूद थे।

जिहुली गांव की मुस्लिम महिला नगमा तीन साल से कर रही छठ, देती है अर्घ्य

बीएनएम@मोतिहारी

बिहार में पूर्वी चंपारण लोक आस्था के महापर्व छठ पर्व को लेकर हर तरफ उमंग है। समाजिक समररसता व प्रकृति रक्षा का संदेश देती इस पर्व को लेकर न केवल हिंदुओ परिवारो उत्साह है,बल्कि जिले के कई मुस्लिम परिवारो में भी उत्साह व्याप्त है, जिनकी छठी मईया में आस्था है और उनका घर छठ व्रत के गीत से गूंजायमान हो रहा है। पूरे विधि विधान के साथ व्रत के नियम का पालन किया जा रहा है।

ऐसा ही एक परिवार है पताही प्रखंड के जिहुली गांव की जमुनी टोला निवासी अब्दुल अली का। अब्दुल अली की पत्नी नगमा खातून तीन साल छठ से व्रत कर रही है। छठी मईया में उनकी बड़ी आस्था है।

नगमा बताती है, कि कुछ साल पहले उनका तबियत बहुत खराब हो गया था। कई जगहों पर उन्होने अपना इलाज करवाया, लेकिन वे कहीं भी ठीक नहीं हो पाई। जब सभी जगहों से निराशा हाथ लगी तब नगमा छठी मईया की शरण में चली गई। नगमा को उम्मीद थी कि छठी मईया उसके ऊपर आए इस दुख को दूर करेगी और ऐसा हुआ भी।

छठी मईया ने उसकी मनोकामना पूरी की और वह पूरी तरह से ठीक हो गई। तब से नगमा हर साल छठ व्रत करती है और अस्तचलगामी और उदयीमान भगवान भास्कर को अर्घ्य देती है।

लोडेड देशी कट्टा के साथ एक युवक गिरफ्तार

बेतिया।जगदीशपुर ओपी पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान एक युवक को लोडेड देशी कट्टा के साथ गिरफ्तार कर लिया। उक्त जानकारी देते हुए बेतिया पुलिस अधीक्षक अमरकेश डी ने बताया कि जगदीशपुर ओपी क्षेत्र अंतर्गत बहुअरवा पेट्रोल पंप के पास पुल पर वाहन चेकिंग के दौरान मोटरसाइकिल पर आ रहे एक युवक को रोकने का प्रयास किया गया ,तो वह पुलिस को देखकर भागने लगा। जिसे पुलिस ने खड़े कर धर दबोचा।

शहर में लूट की नीयत से अपराधियों ने दवा व्यवसायी को मारी गोली

मोतिहारी। जिला मुख्यालय मोतिहारी शहर के पानी टंकी के समीप मिस्कौट मोहल्ला निवासी दवा व्यवसायी को बदमाशों ने गोली मार घायल कर दिया और नकदी व आभूषण लूटकर फरार हो गये।

पुलिस के मुताबिक घटना शहर के पुराने दवा व्यवसायी पूजा मेडिकल के मालिक सत्यनारायण प्रसाद के पुत्र विक्की कुमार के साथ घटित हुआ है। बताया गया है, कि गुरुवार की देर रात्रि करीब 10:30 बजे सत्यनारायण प्रसाद और उनके पुत्र विक्की दुकान का शटर बंद कर रहे थे। उसी दौरान एक बाइक पर सवार तीन नकाबपोश बदमाशों ने उन्हे रोककर पिस्तौल का भय दिखाकर लूटने का प्रयास किया। जिसका व्यवसायी पुत्र विक्की के द्वारा विरोध किए जाने पर बदमाशों ने गोली मार दी। जिसे जख्मी हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है,वह खतरे से बाहर है। घटना की सूचना मिलते ही नगर थानाध्यक्ष पुलिस निरीक्षक विश्व मोहन चौधरी मौके पर पहुंच मामले की छानबीन में जुट गये।आस पास लगे सीसीटीवी के फुटेज से बदमाशों को चिन्हित करने का प्रयास किया जा रहा है।

पोखर में डूबने से दो बच्चों की मौत, कोहराम

मोतिहारी। अरेराज के मिश्रौलिया पंचायत के सखवा दह में छठ पूजा से पहले ही मातम पसर गया है। जहाँ खरई काटने के दौरान पैर फिसलने से पोखर के गड्ढे में भरे पानी में दो बच्चे डूब गए। जिससे दोनों बच्चे की मौत हो गयी है। सूचना मिलते ही घर सहित गांव में कोहराम मच गया है।
इस घटना की सूचना मुखिया ने अधिकारियों को दी। जिसके बाद सीओ और गोबिंदगंज थाना पुलिस गाँव में पहुंचे। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। घटना गोबिंदगंज थाना क्षेत्र के मिश्रौलिया पंचायत के सखवा दह की बताई जा रही है।
पंचायत के मुखिया देशबंधु सिंह की सूचना पर अरेराज सीओ पवन कुमार झा व गोबिंदगंज थाना पुलिस घटना स्थल पर पहुचकर शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। घटनास्थल पर पूर्व मुखिया चंदेश्वर सिंह, सरपंच संजय सिंह सहित सैकड़ों लोग पहुचकर परिवार को ढांढस देने में जुटे है। मृतक के परिवार में कोहराम मचा गया।

तैयारी विद्युत अभियंता ने स्वयं किया विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण

छठ पूजा को लेकर विधुत विभाग अलर्ट

बीएनएम@रक्सौल

लोक आस्था के महान पर्व छठ पूजा को लेकर विद्युत विभाग भी एलर्ट मोड में है। इसके मद्देनजर शुक्रवार को विद्युत कार्यपालक अभियंता प्रदीप कुमार सुमन ने स्वयं पदाधिकारियों व विद्युत कर्मियों के साथ विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान रक्सौल के हवाई अड्डा, कौड़हिार चौक, आश्रम रोड व नागा रोड सहित विभिन्न घाटों पर हो रहे साफ सफाई एवं पंडाल निर्माण के क्रम में नजदीकी लोहे के विद्युत पोल को प्लास्टिक कवर देने, तार से आवश्यक दूरी बनाए रखने व इससे संबंधित पम्पलेट चिपकाने सहित आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान मौजूद सहायक विद्युत अभियंता सुनील रंजन, कनीय अभियंता अरविंद कुमार, लाइन मैन सुनील सिंह, दिनेश सिंह आदि को मानकों के अनुरूप कार्य सुनिश्चित कराने का निर्देश कार्यपालक अभियंता श्री सुमन के द्वारा दी गई। बताया गया कि आपात स्थिति के लिए विद्युत विभाग के द्वारा प्रमंडल अंतर्गत सभी विद्युत आपूर्ति प्रशाखा व पदाधिकारियों का सरकारी नम्बर सार्वजनिक कर आमलोगों से तत्क्षण सूचना साझा करने की अपील की गई है। इसके लिए प्रमंडल कार्यालय में कॉन्ट्रोल रूम भी बनाया गया है, जिसका संपर्क न. 9264456406 व 7763815313 है। वहीं विद्युत अधिकारी ने आमलोगों को इस बेहद पवित्रता का प्रतीक छठ पूजा की शुभकामनाएं प्रेषित कर इसे हर्सोल्लास के साथ मनाने के साथ साथ छठ घाट पर पहुंचने वाले छठव्रतियों को आवश्यक सहयोग हेतु पूरी तत्परता से जुटने की बात कही।

थानाध्यक्ष ने छठ घाटों का किया निरीक्षण

पालनवा। पालनवा थाना क्षेत्र मे छठ पर्व को देखते हुए थानाध्यक्ष ललन कुमार ने दल बल के साथ शुक्रवार को थाना क्षेत्र के पखनहीय छठ घाट पलनवा छठ घाट जैतापुर छठ घाट सौनाहा छठ घाट सहित क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया।वही छठ व्रतियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया।उन्होंने बताया कि पलनवा छठ घाट एवम पखनहिय के बलजाती छठ पूजा घाट तक जाने वाली मार्ग की साफ सफाई की जाएगी।साथ ही साथ भगतो को छठ घाट जाने में किसी प्रकार का असुबधा का सामना न करना पड़े इसके लिए पूजा मार्ग में प्रकाश की व्यवस्था की जा रही है।ताकि भक्तों को आने जाने में किसी प्रकार की असुबधा का सामना नही करना पड़े। उन्होंने बताया कि छठ पर्व आस्था का महा पर्व है इस पर्व में छोटे बच्चे सहित महिलाए और बुजुर्ग लोग भी भाग लेते हैं। इन्होंने बताया कि किसी भी छठ घाट के नजदीक चार पहिया वाहनों से आने जाने वालों पर प्रतिबंध रहेगा किंवकी इससे भक्तों को छठ घाट पर जाने में प्रेशनी न हो इन्होंने कहा कि छठ घाट पूरी तरह लाईट की इंतजाम किया जाएगा, ताकि भगतों को सुबह के समय छठ घाट पर आने जाने में कठिनाई का सामना नही करना पड़ेगा।

धर्म लाभ

छठ व्रतियों के बीच पूजा सामग्री का किया वितरण

बीएनएम@केसरिया। चार दिवसीय लोकआस्था का महापर्व शुक्रवार से नहाय-खाय के साथ प्रारम्भ हो गया। इसके साथ हीं क्षेत्र के कई सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा छठ व्रतियों के बीच पूजा सामग्री वितरित की जा रही है। इस कड़ी में शुक्रवार को क्षेत्र के मठिया पंचायत के बनकट में समाजसेवी अगम कुमार ने करीब पाँच दर्जन से अधिक छठ व्रतियों के बीच पूजा सामग्री व वस्त्र वितरण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पिता की प्रेरणा से 21 वर्षों से व्रतियों के बीच पूजा सामग्री का वितरण करते आ रहे हैं। समाज की मुख्य धारा से वंचित लोगों के साथ पर्व मनाने व उनका सहयोग करने से मन को सुखद अनुभूति की प्राप्ति होती है। मौके पर विद्यावती देवी, विजय लक्ष्मी, मुन्ना सागर, सुरेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव, कुमार अभिजीत, राकेश कुमार, बबिता श्रीवास्तव सहित अन्य मौजूद थे। ● संवाददाता

जिले में 10 लाख 89 हजार 866 लोगों का बना आभा कार्ड

अब मरीजों की पुरानी बीमारी, जांच रिपोर्ट और दवाओं की जानकारी मिलेगी एक ही क्लिक पर

मोतिहारी। अब राज्य के साथ साथ जिले के सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं डिजिटल हो रहीं हैं। अब किसी भी मरीज की पुरानी बीमारी, जांच रिपोर्ट और दवाओं की जानकारी एक क्लिक पर आपके सामने होगी।आभा डिजिटल कार्ड बनाने में राज्य में तीसरे स्थान पर पूर्वी चम्पारण जिला का स्थान आया है। इस सम्बन्ध में जिले के अनुश्रवण पदाधिकारी अमानुल्लाह अमन ने बताया कि जिले में 10 लाख 89 हजार 866 लोगों का आभा कार्ड बनाया जा चुका है। उन्होंने बताया डिजिटल स्वास्थ्य सुविधा का लाभ अब आपके मोबाइल व इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के माध्यम से आसानी से मिल सकेगी। यह एक पेपरलेस तकनीक है। उन्होंने बताया कि मरीजों की आभा आईडी से मरीजों की जिंदगीभर के उपचार,जांचों की रिपोर्ट, दवाएं, ब्लड ग्रुप की जानकारी उपलब्ध हो रही है।

डिजिटल हेल्थ मिशन के तहत सरकार आम जनमानस को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं दे रही हैं। इसके तहत प्रत्येक मरीज की डिजिटल हेल्थ आईडी बनाई जा रही है।

आभा डिजिटल कार्ड कैसे बनाएं:

जिले के अनुश्रवण पदाधिकारी अमानुल्लाह अमन ने बताया कि आभा, स्वास्थ्य आईडी, आधार कार्ड या ड्राइविंग लाइसेंस का उपयोग करके 14 अंकों की संख्या जेनरेट की जा सकती है। पंजीकरण करने के लिए, उपयोगकर्ताओं को healthid.ndhm.gov.in पर जाना होगा और 'आभा नंबर बनाएं' पर क्लिक करना होगा। इसके बाद आपको मौजूदा नंबर दर्ज करना होगा। इसके बाद ओटीपी सत्यापन होगा। उपयोगकर्ताओं को अपना नाम, लिंग, जन्म तिथि, मोबाइल नंबर और ईमेल पता सहित विवरण भरना होगा। आभा हेल्थ कार्ड यूजर्स को डिजिटली फ्री एक्सेस देता है। इसके तहत कहीं भी इलाज कराने जाते हैं तो आपको अपने इलाज के पुराने कागज और बीमारी के बारे में डॉक्टर से बताने की आवश्यकता नहीं होगी। वह आपका हेल्थ कार्ड देखकर ही जान सकेंगे कि आपने पहले किन चीजों का कहां-कहां इलाज कराया और आपकी स्थिति कैसी है। स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं के लाभ के तहत कोई भी व्यक्ति आभा कार्ड बनवा सकता है।

24 नवंबर को जिला नियोजनालय के प्रांगण में जॉब कैम्प का आयोजन

हेल्पलाइन नंबर 06254-295737 पर अभ्यर्थी संपर्क कर सकते हैं।

बेतिया। श्रम संसाधन विभाग द्वारा जिला नियोजनालय, पश्चिम चम्पारण, बेतिया के प्रांगण में दिनांक-24.11.2023 को जॉब कैम्प का आयोजन किया जाना है। इस दिन पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 04.00 बजे तक इच्छुक अभ्यर्थी जॉब कैम्प में नियोजक से जॉब के विषय में जानकारी प्राप्त कर अपना आवेदन/बायोडाटा जमा कर सकते हैं। इच्छुक अभ्यर्थी का एनसीएस पोर्टल पर निबंधन कराना अनिवार्य है। जिला नियोजन पदाधिकारीवअंकित राज द्वारा बताया गया कि जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय के दिशा-निर्देश के आलोक में लगातार जिले में जॉब कैम्प, रोजगार-सह-मार्गदर्शन मेला का आयोजन कर बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार मुहैया कराने का कार्य किया जा रहा है।

जिहुली पंपीही पोखर छठ घाट पर स्थापित सूर्य की प्रतिमा बना आकर्षक का केंद्र

पताही। लोक आस्था के चार दिवसीय महापर्व छठ की पूजा आज की की शुरुआत हो गई है। आज शाम के खरना के साथ रविवार को शाम के समय डूबते सूर्य को व्रती नदी या तालाब में खड़े होकर अर्घ्य देंगे। सोमवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही छठ पूजा का समापन हो जाएगा। शुक्रवार को छठ पूजा नहाय-खाय के साथ शुरू हुई थी। शनिवार को खरना और तीसरे दिन शाम के समय डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। वही सोमवार को सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। छठ महापर्व शुक्रवार से शुरू हो गया है। नहाय-खाय के दिन की पूजा-अर्चना व प्रसाद ग्रहण करने के बाद व्रती खरना समाप्त होने के बाद डूबते सूर्य की आर्ध्य देने की तैयारी में जुट गए है। छठ महापर्व को लेकर पताही प्रखंड क्षेत्र के जिहुली पंचायत के पंपीही पोखर एवं खैरवा पोखर घाट पर स्थापित करने के लिए भगवान सूर्य की प्रतिमाओं को मूर्तिकारों द्वारा अंतिम रूप दिया जा रहा है। जिहुली पंचायत स्थित दो घाट पर छठ महापर्व के मौके पर भगवान सूर्य की प्रतिमा स्थापित करने की तैयारी पूजा समिति द्वारा कर ली गई है। जिहुली छठ पूजा समिति के सदस्य एवं ग्रामीणों ने बताया कि प्रखंड मुख्यालय में सूर्य मंदिर नहीं है। जबकि वर्षों से प्रखंड क्षेत्र के 15 पंचायतों के विभिन्न नदी, तलाब छठ घाट पर अर्घ्य दिया जाता रहा है। इसलिए यहां भगवान सूर्य की मूर्ति स्थापित की जाती है, जहां अर्घ्य देने के बाद सूर्यदेव की पूजा-अर्चना करने व्रती आते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि ग्रामीणों की मदद से पिछले पांच वर्षों से यहां मूर्ति स्थापित की जा रही है। पंचायत के दो छठ घाट पर पूजा करने के लिए सूर्यदेव की मूर्ति बनवाई गई है, जिसे मूर्तिकार अंतिम रूप दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि छठ पूजा का पहला अर्घ्य- छठ पूजा का तीसरा दिन काफी खास माना जाता है। इस दिन डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। इस दिन अर्घ्य के सूप को फल, ठेकुआ और चावल के लड्डू से सजाया जाता है। इसके बाद डूबते हुए सूर्य की पूजा की जाती है।

छठव्रतियों को नहीं हो कोई परेशानी : जिलाधिकारी

बेतिया। जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय बगहा पुलिस अधीक्षक किरण कुमार गोरख जाधव एवं अनुमंडल पदाधिकारी, बगहा, डॉ0 अनुपमा सिंह द्वारा गुरुवार की देर संध्या बगहा के विभिन्न छठ घाटों यथा-दीनदयाल नगर घाट, शास्त्रीनगर घाट सहित अन्य घाटों का निरीक्षण किया तथा छठ महापर्व को लेकर की जा रही तैयारियों का जायजा लिया गया।

निरीक्षण के दौरान छठ पूजा आयोजन समिति के सदस्यों,जनप्रतिनिधियों, स्वयं सेवकों, स्थानीय नागरिकों से छठ घाट से संबंधित फीडबैक जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, बगहा एवं एसडीएम, बगहा द्वारा लिया गया।

इसके साथ ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि छठव्रतियों की सुविधा के मद्देनजर सभी व्यवस्थाएं ससमय पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाय।

जिलाधिकारी ने निरीक्षण के क्रम में कहा कि छठ पर्व के अवसर पर काफी संख्या में

छठव्रती महिला-पुरूष विभिन्न नदी घाटों एवं तालाब घाटों पर एकत्रित होकर भगवान भास्कर को अर्घ्य देंगे। इस दौरान अर्घ्य देने के समय भगदड़ नहीं मचे, कोई भी श्रद्धालु पानी में डूबे नहीं इसका खास ख्याल रखना है। छठ व्रत के दिन नावों के परिचालन पर पूर्णतः रोक लगा दी जाय। घाटों पर पटाखों की बिक्री एवं संचालन को नियंत्रित किया जाय। उन्होंने कहा कि क्राउट मैनेजमेंट सहित अन्य व्यवस्थाएं छठ घाटों पर सुदृढ़ रखनी है ताकि छठव्रतियों को परेशानी नहीं हो।

उन्होंने निर्देश दिया कि घाटों पर समुचित साफ-सफाई, अच्छे तरीके से बैरिकेडिंग के साथ ही साथ पूरे छठ घाट परिसरों में आयोजकों से समन्वय स्थापित कर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित किया जाय। साथ ही महिला छठ व्रतियों की सुविधा के मद्देजनर पर्याप्त संख्या में चेंजिंग रूम की भी व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जाय ताकि श्रद्धालुओं को परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े।

उन्होंने कहा कि जहां गहराई ज्यादा हो वहां पर मजबूत बैरिकेडिंग कराना सुनिश्चित करें ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना नहीं हो। ज्यादा गहराई वाले घाटों पर इसके आगे जाना खतरनाक है की तख्ती लगवाना भी आवश्यक है ताकि सभी श्रद्धालुओं को स्पष्ट रूप से दिखाई दें।

कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद, बगहा को घाटों की तरफ जाने वाली सड़कों, पहुंच पथों की लेबलिंग कराने, साफ-सफाई, बैरिकेडिंग, चूना/ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव आदि व्यवस्था करने को कहा गया है। उन्होंने निर्देश दिया कि छठ पर्व के दौरान यातायात व्यवस्था सुदृढ़ रखी जाय। पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाय।

Saturday 18 November 2023

Editorial

छठ: सूर्योपासना का महापर्व

आस्था और निष्ठा का अनुपम लोकपर्व 'छठ' उत्तर भारत, विशेषकर बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश तथा नेपाल के तराई क्षेत्रों में मनाया जाने वाला सूर्योपासना का महापर्व है। यह पर्व सूर्य, उनकी पत्नी उषा तथा प्रत्यूषा, प्रकृति, जल, वायु और सूर्य की बहन छठी मैया को समर्पित है। उषा तथा प्रत्यूषा को सूर्य की शक्तियों का मुख्य स्रोत माना गया है। इसीलिए छठ पर्व में सूर्य तथा छठी मैया के साथ इन दोनों शक्तियों की भी आराधना की जाती है। षष्ठी देवी को ही छठ मैया कहा गया है, जो निसंतानों को संतान देती हैं और संतानों की रक्षा कर उनको दीर्घायु बनाती हैं। पुराणों में षष्ठी देवी का एक नाम कात्यायनी भी है, जिनकी पूजा नवरात्र में षष्ठी को होती है। माना जाता है कि छठ पर्व में सूर्य की उपासना करने से छठी माता प्रसन्न होकर घर-परिवार में सुख-समृद्धि, रोगमुक्ति, सम्पन्नता और मनोवांछित फल प्रदान करती हैं। छठ पूजा इस वर्ष 17 नवंबर से 20 नवंबर तक मनाई जा रही है। नहाय-खाय 17 नवंबर को और खरना 18 नवंबर को है जबकि छठ की मुख्य पूजा संध्या अर्घ्य के साथ 19 नवंबर को होगी। उगते सूर्य को अर्घ्य 20 नवंबर को दिया जाएगा और उसी के साथ छठ महापूजा का समापन होगा। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार सूर्य देवता की बहन छठी मैया संतानों की रक्षा कर उन्हें लंबी आयु प्रदान करती हैं। प्रातःकाल में सूर्य की पहली किरण (उषा) और सायंकाल में सूर्य की अंतिम किरण (प्रत्यूषा) को अर्घ्य देकर दोनों को नमन किया जाता है। सूर्योपासना का महापर्व छठ कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाया जाता है, इसीलिए इसे छठ कहा जाता है। इस चार दिवसीय उत्सव की शुरुआत कार्तिक शुक्ल चतुर्थी के दिन 'नहाय खाय' से होती है, अगले दिन 'खरना' होता है, तीसरे दिन छठ का प्रसाद तैयार किया जाता है और स्नान कर अस्त होते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है, सप्तमी को चौथे और अंतिम दिन उगते सूर्य की पूजा-आराधना के साथ इस महापर्व का समापन होता है। छठ पर्व के प्रसाद में प्रायः चावल के लड्डू बनाए जाते हैं।

क्या पुरुष भी घरेलू हिंसा के शिकार हैं?

ललित गर्ग

अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस माता-पिता के अलगाव, पत्नी की उपेक्षा, दुर्व्यवहार, बेघर होना, रोजगार, आत्महत्या और हिंसा सहित पुरुषों द्वारा सामना किए जाने वाले कई मुद्दों के लिए एक वैश्विक जागरूकता दिवस है, जो हर साल 19 नवंबर को मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य लड़कों और पुरुषों के जीवन, उनकी उपलब्धियों और परिवार एवं समाज निर्माण में विशेष रूप से राष्ट्र, संघ, समाज, समुदाय, परिवार, विवाह और बच्चों की देखभाल में उनके योगदान के लिए जश्न मनाने का एक अनूठा अवसर है। यह दिवस महज एक उत्सव भर नहीं है, बल्कि ऐसा आयोजन है, जो सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक मोर्चों पर पुरुषों की उपलब्धियों को बढ़ावा देने के साथ-साथ उनके संघर्षों को आम समाज तक पहुंचाना आवश्यक है। इस दिन का उद्देश्य पुरुषों के स्वास्थ्य और कल्याण पर ध्यान केंद्रित करते हुए इसके आलोक में, 'शून्य पुरुष आत्महत्या' 2023 की थीम है। महिला दिवस की तर्ज पर ही पूरे विश्व में अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस भी मनाया जाने लगा है। इस दिवस की शुरुआत 1999 में त्रिनिदाद एवं टोबागो से हुई थी। संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी इसे मान्यता देते हुए इसकी आवश्यकता को बल दिया और पुरजोर सराहना एवं सहायता दी है। आज 80 से अधिक देशों में अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस मनाया जा रहा है। एक अन्य जानकारी के अनुसार पहली बार 7 फरवरी 1992 को थॉमस ओस्टर द्वारा पुरुष दिवस मनाने की बात भी कही जाती है, लेकिन यह पुरुष दिवस केवल माल्टा में मनाया गया था दुनिया में अब महिला दिवस की भांति पुरुष दिवस प्रभावी रूप में बनाये जाने की आवश्यकता महसूस की जाने लगी है। अब पुरुष भी अपने शोषण एवं उत्पीड़ित होने की बात उठा रहे हैं। महिलाओं की तुलना में पुरुषों पर अधिक उपेक्षा, उत्पीड़न एवं अन्याय की घटनाएं पनपने की भी बात की जा रही है। आज तेजी से बदलती दुनिया में हर वर्ग के लिए परिभाषाएं भी बन एवं बदल रही हैं। एक तरफ जहां महिलाएं सशक्त हो रही हैं, वहीं पुरुषों की भी छवि समाज में बदलती जा रही है। कुछ वर्ष पूर्व की बात करें तो पुरुषों को लेकर समाज में ढेरों रुढ़िवादी विचार थे, महिलाओं के शोषण एवं उसे दोयम दर्जा दिये जाने का आरोप उस पर लगता रहा है। जिनमें अब तेजी से परिवर्तन हो रहे हैं। यह दिन पुरुषों के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य व उनसे जुड़ी भ्रांतियों पर भी चर्चा करने का दिन है। चीन को छोड़कर हर देश में पुरुषों में आत्महत्या की दर महिलाओं की तुलना में अधिक है। पुरुष एक ऐसा शब्द जिसके बिना किसी के जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। नारी जहां जीवन को परिपूर्णता देती है तो वहीं पुरुष ही इसका आधार है। अब तक पुरुष की तमाम विशेषताओं को नजरअंदाज करते हुए उसे शोषक, नारी उत्पीडक, क्रूर एवं अत्याचारी ही घोषित किया जाता रहा है, लेकिन ऐसा नहीं है। नारी जन्मदात्री है तो पुरुष जीवन-निर्माता है। बचपन में जब कोई बच्चा चलना सीखता है तो सबसे पहले अपने पिता रुपी पुरुष की उंगली थामता है। नन्हा-सा बच्चा उसकी उँगली थामे और उसकी बाँहों में रहकर बहुत सुकून पाता है। बोलने के साथ ही बच्चे जिद करना शुरु कर देते हैं और पिता उनकी सभी जिदों को पूरा करते हैं। बचपन में चॉकलेट, खिलौने दिलाने से लेकर युवावर्ग तक बाइक, कार, लैपटॉप और उच्च शिक्षा के लिए विदेश भेजने तक संतान की सभी माँगों को वो पूरा करते रहते हैं यानी पुरुष की भूमिका किसी भी रूप में महिलाओं से कम नहीं है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है।)

Today's **Opinion**

क्यों देश को इंतजार है नोएडा एयरपोर्ट शुरु होने का

आर.के. सिन्हा

अगर सब कुछ योजना के चलता रहा तो उत्तर प्रदेश के जेवर में तेजी से बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से पहली उड़ान अगले साल मार्च के महीने में अपने सफर पर चली जाएगी। यानी अब छह से भी कम महीनों का वक्त बचा है, इसे शुरु होने में। पहले कहा जा रहा था कि यहां से पहली फ्लाइट साल 2024 के अंत में ही उड़ान भरेगी। नोएडा एयरपोर्ट जितना जल्दी शुरु हो जाए उतना ही भारत आने और यहां से जाने वाले करोड़ों मुसाफिरों के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर होगी। भारत सरकार का उड्डयन एवं गृह मंत्रालय और उत्तर प्रदेश सरकार मिल कर कोशिश कर रहे हैं ताकि नोएडा एयरपोर्ट वक्त से पहले ही शुरु हो जाए। नोएडा एयरपोर्ट का तुरंत बनना इसलिए भी जरूरी है ताकि इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (आईजीआई) को यात्रियों की भीड़ से बचाया जा सके। इधर भीड़ के चलते बदइंतजामी और अराजकता के हालात बने रहते हैं। यात्रियों को तीन-तीन घंटे लाइन में लगना पड़ना आज के दिन आम बात हो गई है। आईजीआई एयरपोर्ट पर साल-दर-साल यात्रियों की भीड़ बढ़ती ही चली जा रही है। आप जानते हैं कि आईजीआई से प्रतिदिन हजारों भारतीय सात समंदर पार यात्रा के लिए जा रहे हैं तो इतने ही दुनिया के अलग-अलग भागों से दिल्ली आ भी रहे होते हैं। पिछले साल 2022 में तो यह दुनिया के सबसे व्यस्त एयरपोर्ट की रैंकिंग में नौवें स्थान पर पहुंच गया। एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल (एसीआई) की रिपोर्ट की माने तो आईजीआई एयरपोर्ट से साल 2022 में लगभग 5.95 करोड़ लोगों ने यात्रा की। यह भारत का सबसे व्यस्त एयरपोर्ट भी है। शायद यही वजह है कि आईजीआई एयरपोर्ट की वृहद् सुविधाएं भी भीड़ के सामने अब बौनी साबित होने लगी हैं। क्या कुछ साल पहले 31 मार्च, 2006 को जब आईजीआई शुरु हुआ था तो किसी ने भी यह सोचा था कि इधर मुसाफिरों की भारी भीड़ से सारी व्यवस्थाएं चरमराने लगेंगी? अगर इतिहास के पन्नों को पलटें तो पता चलेगा कि राजधानी दिल्ली में सबसे पहले 10 मार्च, 1931 को सफदरजंग एयरपोर्ट का विधिवत उद्घाटन हुआ था। हालांकि इससे दो बरस पहले 1929 में ही इसकी सांकेतिक स्थापना भी हो गई थी। तब इसका नाम विलिंग्डन एयर फील्ड था। फिर इसका कुछ समय के बाद नाम कर दिया गया विलिंग्डन एयरपोर्ट। देश के आजाद होते ही विलिंग्डन एयरपोर्ट का नाम हो गया सफदरजंग एयरपोर्ट। बताते हैं, इधर कुछ विमान 1927 से ही उतरने लगे थे। दूसरे विश्व युद्ध में इसका मित्र देशों की सेनाओं ने भरपूर इस्तेमाल भी किया था। दिल्ली का यही 1962 तक मुख्य हवाई अड्डा रहा। उसके बाद पालम एयरपोर्ट बना। सफदरजंग एयरपोर्ट को सुरक्षा कारणों से 2002 में बंद कर दिया गया। इसे अमेरिका में 26/11 की भयंकर घटना को देखते हुए बंद किया गया । अब भी यहीं से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और अन्य अति विशिष्ट हस्तियां अपने सफर पर निकलते हैं। फिर वर्तमान में लौटते हैं। आईजीआई के शुरु होने के 20 साल के भीतर ही देश को एक नए विश्व स्तरीय एयरपोर्ट की जरुरत महसूस हुई। यह सुबूत है कि देश के एविएशन सेक्टर का तेजी से विकास और विस्तार हो रहा है। इसलिए ही ग्रेटर नोएडा में जेवर एयरपोर्ट को बनाने पर निर्णय लिया गया। जान लें कि तीस हजार करोड़ रुपये की लागत से 1334 हेक्टेयर में बन रहा जेवर एयरपोर्ट भारत का सबसे बड़ा एयरपोर्ट होगा। फिलहाल यात्रियों की आवाजाही के लिहाज से आईजीआई देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट है। एक बात और। जेवर एयरपोर्ट की टिकटें आईजीआई के मुकाबले सस्ती होंगी। ऐसा दिल्ली और यूपी में एटीएफ (एविएशन टर्बाइन फ्यूल) शुल्क में अंतर के कारण संभव होगा। आईजीआई की तुलना में यात्रियों को प्रति टिकट 1,500 रुपये की बचत होगी। एविएशन मंत्रालय ने अनुमान लगाया है कि जब जेवर एयरपोर्ट से विमानों का परिचालन शुरु हो जाएगा तो यहां से सालाना 1.2 करोड़ यात्रियों की आवाजाही होने लगेगी। यहां से देश के विभिन्न शहरों के लिए विमान सेवा शुरु होंगी। उदाहरण के रूप में दिल्ली-मुंबई के बीच में प्रतिदिन लगभग 100 उड़ानें हैं।

(लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन न:-06252-296796,
प्रसार:-9470050309 ईमेल:- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

चुटकियों में कब्ज की समस्या से पाएं निजात, हैं ये आसान उपाय

आजकल कब्ज आम समस्या बन गई है। इससे कोई भी प्रभावित हो सकता है। गर्भावस्था में महिलाओं को भी कब्ज की समस्या होती है। इस स्थिति में पाचन प्रक्रिया धीमी हो जाती है। इसके चलते कब्ज से पीड़ति व्यक्ति को मल त्याग में दिक्कत होती है। लंबे समय तक कब्ज रहने से कई बीमारियां जन्म लेती हैं। इससे सिरदर्द, गैस, भूख न लगने की समस्या होती है। कब्ज की समस्या में कोताही नहीं बरतनी चाहिए। आइए, कब्ज के कारण, लक्षण और उपाय जानते हैं-

कब्ज के कारण

- पानी कम पीना
-डिहाइड्रेशन
- फाइबर की कमी
-अत्यधिक आराम
-खराब दिनचर्या
-गर्भावस्था
-दवा के दुष्प्रभाव
-शराब का सेवन
-धूम्रपान

कब्ज के लक्षण
-चक्कर आना
-जी मिचलाना
-मुंहासे
-पेट में भारीपन
-हाजमा खराब होना
-सिर दर्द

घी का सेवन करें

घी से न केवल जायके का स्वाद बढ़ता है, बल्कि शरीर भी बलवान होता है। इससे शरीर को वसा की प्राप्ति होती है। डॉक्टर दुबले पतले लोगों को वजन बढ़ाने के लिए घी खाने की सलाह देते हैं। इसके लिए खाना खाने से पहले एक चम्मच घी और चीनी का सेवन करें। इसके अलावा, घी के सेवन से कब्ज की समस्या दूर होती है। इसमें विटामिन ए, डी, ई पाया जाता है। ये आवश्यक पोषक तत्व कब्ज के लिए फायदेमंद होते हैं।

आंवले का सेवन करें

अगर आप कब्ज से परेशान हैं और इससे निजात पाना चाहते हैं, तो आंवले का सेवन कर सकते हैं। इसके सेवन से कब्ज की समस्या दूर होती है। आंवले में विटामिन-सी, फाइबर समेत कई आवश्यक पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। इसके सेवन से मोटापा और मधुमेह में भी आराम मिलता है।

खजूर खाएं

हेल्थ एक्सपर्ट्स सर्दियों में सेहतमंद रहने के लिए खजूर खाने की सलाह देते हैं। वहीं, खजूर खाने से कब्ज की समस्या भी दूर होती है। इससे शरीर में आयरन की कमी भी दूर होती है। इससे शरीर में ऊर्जा का संचार होता है।

मेथी का सेवन करें

पाचन तंत्र को मजबूत करने के लिए मेथी का सेवन करना फायदेमंद होता है। इसके सेवन से कब्ज में भी आराम मिलता है। इसके लिए रोजाना रात में सोने से पहले एक गिलास पानी में एक चम्मच मेथी के दाने भिगोकर रख दें। अगली सुबह मेथी पानी का सेवन करें।

अल्जाइमर को नजरअंदाज करना पड़ सकता है सेहत पर भारी

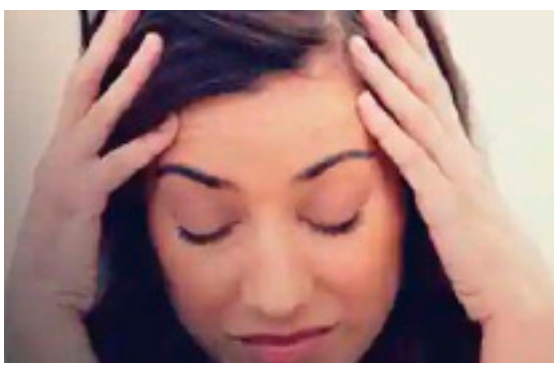

क्या आप चीजें रखने के बाद अक्सर भूल जाया करते हैं या फिर आपको किसी चीज को याद करने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है, अगर इन सवालों का जवाब हां में है तो आप अल्जाइमर रोग के शिकार हो सकते हैं।अल्जाइमर रोग दुनियाभर में तेजी से बढ़ते न्यूरोलॉजिकल विकारों में से एक है। इसे डेमेंशिया का सबसे सामान्य प्रकार भी माना जाता है। अल्जाइमर रोग के कारण लोगों का दैनिक जीवन भी प्रभावित हो सकता है।

ऐसे मेंआइए जानते हैं आखिर क्या है अल्जाइमर रोग, इसके लक्षण और बचाव के उपाय।

क्या है अल्जाइमर रोग–

अल्जाइमर रोग एक न्यूरोलॉजिकल विकार है जिसमें मस्तिष्क की कोशिकाएं मृत होने लगती हैं, कई मामलों में मस्तिष्क में सिकुड़न की भी समस्या हो सकती है। आसान शब्दों में समझें तो अल्जाइमर रोग एक मानसिक विकार है, जिसके कारण मरीज की याद्दाश्त कमजोर हो जाती है और उसका असर दिमाग के कार्यों पर पड़ता है।आमतौर पर यह मध्यम उम्र या वृद्धावस्था में दिमाग के ऊतकों को नुकसान पहुंचने के कारण होता है।यह डिमेंशिया का सबसे आम प्रकार है, जिसका असर व्यक्ति की याद्दाश्त, सोचने की क्षमता, रोजमर्रा की गतिविधियों पर पड़ता है

अल्जाइमर के लक्षण–

-आपकी दैनिक गतिविधियों को प्रभावित करने वाली स्मृति में कमी
-समस्या सुलझाने में कठिनाई
-भाषण या लेखन के साथ परेशानी
-समय या स्थानों के बारे में भ्रमित हो जाना
-निर्णय लेने में कमी
-व्यक्तिगत स्वच्छता में कमी
-मनोदशा और व्यक्तित्व में परिवर्तन
-दोस्तों, परिवार और समाज से दूरी
-धूम्रपान से बचें ।
-नियमित रूप से व्यायाम करें।

घर को एलर्जी से दूर रखने के लिए अपनाएं ये आसान तरीके

घर पर हे फीवर या एलर्जी अस्थमा के लक्षणों का अनुभव करना आम हो रहा है। एलर्जी हमेशा किसी एक मौसम में नहीं होती है। ये साल के किसी भी समय आप पर हमला कर सकती है।

हालांकि जब बाहर की दुनिया की बात आती है तो आप बदलाव नहीं कर सकते हैं, लेकिन कुछ ऐसे कदम हैं जिन्हें आप अपने घर में एलर्जी को कम करने के लिए अपना सकते हैं। कोशिश करें कि आपका घर किसी भी ऐसे तत्व से मुक्त है जो आप को एलर्जी की समस्या से परेशान कर सकता है।

पालतू जानवरों को बेडरूम से दूर रखें

याद रखें कि बेडरूम आपके परिवार के हर सदस्य के लिए आराम की जगह है। अगर परिवार में किसी को पालतू जानवरों से एलर्जी है, तो अपने पालतू जानवरों को बेडरूम से दूर रखें। अपने पालतू जानवरों को एक अलग कमरे में सुलाएं। उन्हें हफ्ते में एक बार नहलाएं ताकि उनके फर से एलर्जी दूर हो सके।

फर्नीचर का चुनाव सोच–समझकर करें

क्या आप हर बार सोफे पर लेटने पर असुविधा महसूस करते हैं? फर्नीचर में अपहोल्स्ट्री या गंदगी इसका कारण हो सकती है। आप अपहोल्सट्री के बिना सोफा और कुर्सियों को चमड़े, लकड़ी, धातु या प्लास्टिक से बने फर्नीचर से बदल सकते हैं। ये साफ करने में आसान होते हैं और एलर्जी को भी दूर रखते हैं।

फ्रिज को साफ रखें

रेफ्रिजरेटर को साफ रखना आपकी रसोई को एलर्जी मुक्त और स्वच्छ रखने की दिशा में एक जरूरी कदम है। फ्रिज में ज्यादा नमी को पोंछें।

पसीने की बदबू दूर करने के कारगर DIYs

शरीर से दुर्गंध आना कई लोगों की एक आम समस्या है और गर्मी के मौसम में ज्यादा गर्मी और पसीने के कारण यह समस्या और भी बढ़ जाती है। सबसे बड़ी बात यह है कि कुछ लोग ऐसे होते हैं, जिनके पसीने में दूर ही काफी बदबू आती है।

गौर करें, तो पसीना आना एक प्राकृतिक प्रक्रिया है और पसीना गंधहीन होता है, लेकिन कई लोग यह सोचते हैं कि पसीना अगर गंधहीन यानी इसमें कोई भी महक नहीं होती, तो फिर कई लोगों के पसीने से बदबू क्यों आती है। यह शरीर पर बैक्टीरिया का विकास है, जो गंध का कारण बनता है। बाजार में कई बॉडी टैल्क और डिओडोरेंट्स उपलब्ध हैं, लेकिन वे लंबे समय तक बदबू का मुकाबला नहीं कर सकते हैं।

ठीक से नहाएं

नहाना सबसे अहम है। जिन लोगों को ज्यादा पसीना आता है, उन्हें रोजाना और दो बार नहाना चाहिए। एक अच्छे एंटी-बैक्टीरियल साबुन का इस्तेमाल करें। आप ककड़ी, एलोवेरा, टी ट्री ऑयल, नीम या मेन्थॉल से दिन में दो बार बॉडी वाश भी ले सकते हैं। इससे शरीर से बैक्टीरिया दूर रहते हैं।

नीम की पत्तियां

नीम के कई औषधीय गुण हैं। मुट्ठी भर नीम की पत्तियों में पानी मिलाकर पेस्ट बना लें। 15 मिनट के लिए लगाएं और धो लें।, नीम के पत्तों को पानी की बाल्टी में डालें और उस पानी से नहाएं।

नारियल का तेल

नारियल के तेल के कई फायदे होते हैं। नहाने के बाद अंडरआर्म्स पर नारियल का तेल लगाएं। नारियल तेल के रोजाना इस्तेमाल से भी अंडरआर्म्स का कालापन हल्का हो जाएगा। नारियल के तेल में पौष्टिक गुण होते हैं। यह स्किन को नमीयुक्त और पोषण भी देगा।

पानी पिएं

पर्याप्त पानी पीने से आप अंदर से हाइड्रेट रहेंगे। यह शरीर से टॉक्सिक को बाहर निकालता है, जिससे शरीर में बदबू पैदा करने वाले बैक्टीरिया को हटा दिया जाता है। साथ ही, पानी एक न्यूट्रलाइजर है, तो यह आंतों में बैक्टीरिया की रोकथाम भी करेगा।

मीठा सोडा

बेकिंग सोडा के पेस्ट को बराबर भागों में कॉर्न स्टार्च के साथ लगाने से नेचुरल डियोडोरेंट का काम होगा।

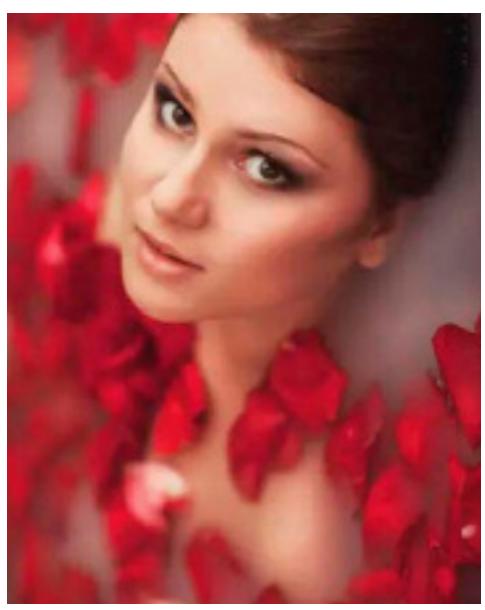

अधिक उपज वाली फसल है

मक्का

मोटे अनाज के रूप में कभी गरीबों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली मक्का आज उद्योग जगत में भी अपना स्थान बना चुकी है। स्टार्च, अल्कोहल, एसिटिक व लेक्टिक एसिड, ग्लूकोज, रेयान, गोंद (लेई), चमड़े की पालिश, खाद्यान्न तेल (कार्न ऑइल), पेकिंग पदार्थ आदि में इस्तेमाल की जाने लगी है।

मानव एवं पशु आहार मक्का का पौधा मेक्सिकन मूल का माना जाता है। इसकी खेती देश के सभी प्रांतों में की जाती है। इसके लिए गर्म तर मौसम उपयुक्त होता है। खरीफ के साथ ही इसकी मुख्य फसल ली जाती है। वैसे जायद व वसंत में भी इसे उगाया जाता है। फसल नहीं देने पर इसे पशु चारे के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। तेज सर्दी के दिन छोड़कर किसी भी माह में उगाया जा सकता है। यह अधिक उपज देने वाली फसल है।

जून-जुलाई में बोई फसल 45 दिनों में पूर्ण विकसित होकर 50 से 60 दिनों में भुट्टे देने लग जाती है। इसके लिए गहरी काली, उपजाऊ जीवांशयुक्त मिट्टी उपयुक्त मानी जाती है। मिट्टी का पीएच मान 6.5 से लेकर 7.5 के बीच अच्छा होता है। ऐसी मिट्टी न क्षारीय होती है न अम्लीय। खेत की तैयारी एक बार मिट्टी पलटने वाला हल, दो बार कल्टीवेटर, दो बार पांस वाला बखर तथा दो बार पाटा (पठार) चलाकर की जाती है। खेत समतल या हल्का सा ढालू होना आवश्यक है ताकि पानी जमा न हो। खेत में 72 घंटे पानी रुकना फसल के लिए हानिकारक हो सकता है।

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली में मक्का पर अनुसंधान कर कई किस्में तैयार की गई हैं। इनमें गंगा सफेद-2 देश के मैदानी क्षेत्रों के लिए उपयुक्त है। इसे पकने में 100 दिन लगते हैं। सफेद दाने वाली यह किस्म 60 क्विंटल तक उपज देती है। गंगा-5 किस्म के दाने नारंगी पीले होते हैं जो 95 दिनों में पकते हैं। इससे 45 से 50 क्विंटल प्रति हैक्टेयर उपज मिल सकती है।

इसके अलावा पीले दाने वाली विजय किस्म 95 से 105 दिन में पकती है। इससे प्रति हैक्टेयर 45 से 50 क्विंटल उपज मिल जाती है। ये सभी संकर (हाईब्रिड) किस्में हैं। हर वर्ष इनका नया बीज बोना होता है। मध्यप्रदेश के जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय द्वारा इसकी कुछ संकुल (कंपोजिट) किस्में भी तैयार की गई हैं। इनके बीज एक बार लगाकर किसान अपने बीज खुद तैयार कर सकते हैं।

यह मध्यम व कम रकबे वाले किसानों के लिए उपयुक्त है। ये किस्में - चंदन मक्का-1, नवजोत, पूसा कम्पोजिट-1, पूसा कम्पोजिट-11 हैं। इसमें पौधे का संरक्षण आवश्यकता अनुसार करते रहें।

ऐसे मिलेगी पर्याप्त उपजः मक्का की फसल से पर्याप्त उपज लेने के लिए एक

हैक्टेयर में 10 से 15 टन गोबर खाद या कम्पोस्ट फसल बोने के छः से आठ दिन पहले खेत में बिखेरकर पांस वाला हल चला दें। बीज बोते समय 50 किलोग्राम नत्रजन, 60 किलोग्राम स्फुर, 40 किलोग्राम पोटाश और 50 किलोग्राम जिंक सल्फेट बीज की कतारों के नीचे खाद बुआई यंत्र से डालें। 30 व 45 दिन बाद 50-50 किलोग्राम की मात्रा खड़ी फसल की कतारों के बीच यूरिया उर्वरक के रूप में गुड़ाई द्वारा मिट्टी में मिलाएँ।

इसमें बीज की मात्रा 20 से 25 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर लगती है। बोने के पूर्व पाँच ग्राम प्रोटेक्ट (ट्राइकोडर्मा विरिडि) प्रति एक किलोग्राम बीज दर से उपचारित करें। पौधे स्थापित होने के बाद 20-22 सेमी की दूरी रख अविकसित पौधे निकाल दें। पौधों के बीच की दूरी 60 सेमी अच्छी मानी गई है। एक हैक्टेयर में 70 से 75 हजार पौधे होना चाहिए। 20-25 दिन के अंतर पर निंदाई-गुड़ाई करें। 25 से 35 दिन में पौधे पर मिट्टी चढ़ाने से भुट्टे आने के बाद हवा चलने पर भुट्टे गिरते नहीं हैं।

लहसुन के सत से दूर करें तिलहन फसलों के रोग

डायलाइल थायोसल्फिनेट है, जो हर प्रकार के फफूंद से होने वाले रोगों को रोकने में सक्षम है। इसका छिड़काव करने से तिलहन की फसल पर लगने वाला फफूंद पूरी तरह से खत्म हो जाता है। सरसों उत्पादक जिलों में किए गये अध्ययन में ये बात साफ हो गई है कि रासायनिक कीटनाशकों के मुकाबले लहसुन के घोल का छिड़काव करने से जहां फसल पर लगा रोग पूरी तरह से समाप्त हो जाता है, वहीं पैदावार में भी कमी नहीं आती है।

तिलहन की फसलों में लगने वाले रोगों से बचाव के लिए किए जा रहे रासायनिक कीटनाशकों के प्रयोग के कई हानिकारक परिणाम सामने आये है। इस तरह का एक प्रयोग सरसों की फसल पर भी किया गया है। जिसमें पाया गया है कि पौधों पर फूल आने के समय उसमें कीटनाशकों का छिड़काव करने से उसकी पैदावार में कमी आ जाती है। लेकिन रासायनिक कीटनाशकों के बजाए उसके स्थान पर लहसुन के घोल का छिड़काव किया गया तो, फसल पर कोई विपरित प्रभाव तो पड़ा ही नहीं, साथ ही रोगों से भी छुटकारा मिल गया।

राष्ट्रीय सरसों अनुसंधान केन्द्र भरतपुर (राजस्थान) द्वारा इस संबंध में अध्ययन किया गया है। इस अध्ययन के अनुसार सरसों में पाया जाने वाला वाठट रस्ट के ऊपर इस घोल का सफलता पूर्वक उपयोग राजस्थान के भरतपुर, नवगांव और पंजाब के भटिंडा में किया गया है। सरसों की फसल में वाइट रस्ट का प्रकोप ज्यादा देखा जाता है। उत्पादक इलाकों में अगर लगातार कई दिनों तक आसमान में बादल छाए रहे और धूप ना निकले तो फिर सरसों की फसल पर सफ़ेद पाउडर लगने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में लहसुन की कली से निकाले गये सत्व को पानी में मिलाकर सरसों की फसल के ऊपर छिड़काव करने से उसकी पत्ती और कलियों पर अल्टर्नेरिया ब्लाइट रोग का प्रकोप काफी कम हो जाता है। इसके साथ ही सीवर, लुधावायी और नवगांव में किये गये प्रयोग से सामने आया है कि लहसुन की कली के सत्व के घोल से पौधों में बीज उत्पादन भी काफी बढ़ा है। सरसों के अलावा तिलहनों के दूसरी फसलों जैसे सूरजमुखी पर किये गये इस घोल के छिड़काव से भी आशातीत नतीजे सामने आये है। हैदराबाद में किये गये इस प्रयोग से यह सामने आया है कि अल्टर्नेरिया ब्लाइट पर यह बेहद प्रभावी रहा, साथ ही अरंडी पर होने वाले रोगों पर भी यह घोल काफी प्रभावी रहा है। लहसुन की कली से निकाले गये इस सत्व में वैज्ञानिकों ने एक नया रासायन पाया जो फफूंद से होने वाले रोगों के लिए बेहद कारगर साबित हो रहा है।

इस रसायन का नाम डायलाइल थायोसल्फिनेट है, जो हर प्रकार के फफूंद से होने वाले रोगों को रोकने में सझम है। इसका छिड़काव करने से तिलहन की फसल पर लगने वाला फफूंद पूरी तरह से खत्म हो जाता है। सरसों उत्पादक जिलों में किए गये अध्ययन में ये बात साफ हो गई है कि रासायनिक कीटनाशकों के मुकाबले लहसुन के घोल का छिड़काव करने से जहां फसल पर लगा रोग पूरी तरह से समाप्त हो जाता है, वहीं पैदावार में भी कमी नहीं आती है। सबसे खास बात तो यह है कि किसान इसको घर पर ही तैयार कर सकते हैं तथा खुद ही तैयार कर अपने खेतों में इसका छिड़काव स्वयं भी कर सकते है। इसकी लागत भी रासायनिक कीटनाशकों के मुकाबले काफी कम होने के कारण किसानों के रासायनिक कीटनाशकों पर होने वाले खर्च में भी अच्छी-खासी कटौती हो सकती है। इसको तैयार करने की विधि भी आसान है। इस घोल को तैयार करने के लिए भी पहले एक किलो लहसुन को पिसकर उसका पेस्ट तैयार किया जाता है। उसके बाद उसको दस लीटर पानी में मिलाकर अच्छी तरह से मिला लिया जाता है। उसके बाद 24 घण्टें इस घोल को सामान्य ताप पर रखा जाता है। इसके बाद इसको छान कर प्राप्त हुये घोल को पत्तियों पर छिड़का जाता है। यह घोल पूरी तरह से पर्यावरण के अनुकूल होने के अलावा रासायनिक कीटनाशकों के मुकाबले काफी सस्ता होता है। इस समय सरसों की फसल पकने के लिए तैयार है। देश में लगभग सभी उत्पादक राज्यों में इस समय सरसों की फसल के पौधों पर फूल आ चुके है तथा कई जगह बालियों में दाने पड़ने भी शुरू हो गये है। सरसों किसानों के लिए यह घोल काफी सहायक हो सकता है। इसका प्रयोग केवल सरसों, सूरजमुखी ही नहीं बल्कि अन्य दूसरी तिलहनी फसलों में भी किया जा सकता है। अन्य तिलहनी फसलों पर भी यह उतना ही प्रभावी होता है।

BNM Fantasy
Saturday
18 November 2023

प्रीति जिंटा ने मुंबई खरीदा आलीशान घर

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा ने मुंबई के बांद्रा के पाली हिल इलाके में एक आलीशान घर खरीदा है। मालूम हो कि इस घर की कुल कीमत करीब 17.01 करोड़ रुपये है। पाली हिल के पॉश इलाके में स्थित इस आलीशान घर का क्षेत्रफल 1474 वर्ग फुट और दो आरक्षित पार्किंग स्थल हैं। प्रीति जिंटा ने यह घर 'कीस्टोन रियलटर्स लिमिटेड' से खरीदा है और इसका दस्तावेज 23 अक्टूबर को रजिस्टर किया गया है। दस्तावेजों से पता चला है कि घर खरीदते समय प्रीति जिंटा ने करीब 85.08 लाख रुपये की स्टांप ड्यूटी चुकाई है।

त

तापसी पन्नू ने बॉलीवुड के 'स्टार सिस्टम' पर दिखाई नाराजगी

बतौर प्रोड्यूसर अपनी दूसरी फिल्म 'धक धक' की वजह से तापसी पन्नू इस समय चर्चा में है। उन्होंने फिल्म की प्रमोशन स्ट्रैटेजी से नाराजगी दिखाते हुए इस फिल्म का प्रमोशन न करने का फैसला किया है। चूंकि तापसी इस फिल्म के मेकर्स से भी खफा हैं, क्योंकि उन्हें इस फिल्म पर ज्यादा भरोसा नहीं है। साउथ फिल्म इंडस्ट्री में मसाला फिल्में करने के बाद तापसी ने बॉलीवुड में कदम रखा और अपनी लोकप्रियता में इजाफा किया। एक्टिंग के साथ-साथ तापसी ने प्रोड्यूसर के तौर पर भी काम करना शुरू कर दिया। मीडिया से बातचीत के दौरान तापसी ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि उनकी फिल्म शाहरुख खान की 'जवान' जितनी बड़ी नहीं होगी, लेकिन ऐसी छोटी फिल्मों को भी उचित अवसर और प्रोत्साहन मिलना चाहिए। इसके साथ ही तापसी ने इंडस्ट्री के 'स्टार सिस्टम' पर भी कमेंट किया। तापसी ने बताया कि यह सब 'स्टार सिस्टम' पर ही निर्भर करता है, जो ओटीटी के आने के बावजूद अभी भी मौजूद है। एक्ट्रेस ने कहा कि इसके लिए इसमें शामिल हर व्यक्ति को दोषी ठहराया जाना चाहिए। इसमें एक्टर, स्टूडियो, दर्शक, हर कोई शामिल है। यह फिल्म इंडस्ट्री के लिए नुकसानदायक है, क्योंकि आप केवल बड़े नामों को ही सक्षम बना रहे हैं, तो बाकियों को मौका कैसे मिलेगा? इससे एक्टर्स और स्टार्स के बीच दूरियां ही बढ़ेंगी। तापसी की फिल्म 'धक धक' का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है। यह चार महिलाओं की दोस्ती और आत्म-खोज की कहानी है।

आमिर खान की आगामी फिल्म 'सितारे जमीन पर

में जेनेलिया देशमुख की एंट्री

दर्शक इस बात का इंतजार कर रहे हैं कि आमिर कब एक्टिंग में वापसी करेंगे। ऐसे में हाल ही में खबर सामने आई कि आमिर जल्द ही फिल्म 'सितारे जमीन पर' को प्रोड्यूस करने वाले हैं। यह भी साफ हो गया कि वह इसमें एक्टिंग करते नजर आएंगे। आमिर ने अपने आने वाले प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी दी। आमिर ने ये भी दावा किया कि ये फिल्म 'तारे जमीं पर' से 10 कदम आगे होगी। अब इस फिल्म को लेकर एक और नई अपडेट सामने आ रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, 'सितारे जमीन पर' में आमिर खान के साथ जेनेलिया देशमुख मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। आमिर के मुताबिक जेनेलिया इस रोल के लिए परफेक्ट हैं और कहा जा रहा है कि आमिर ने उनसे चर्चा के बाद ही इस रोल के लिए जेनेलिया को चुना। फिल्म में जेनेलिया आमिर की प्रेमिका के रूप में नजर आएंगी। जेनेलिया देशमुख ने आमिर खान द्वारा निर्मित फिल्म 'जाने तू या जाने ना' में अभिनय किया था। जेनेलिया भी आमिर के साथ पर्दे पर काम करने को लेकर काफी उत्साहित हैं। जेनेलिया हाल ही में अपने पति रितेश देशमुख की फिल्म 'वेड' में नजर आईं और उन्होंने मराठी में डेब्यू किया। अब सबकी नजर इस बात पर है कि आमिर की फिल्म में उनका रोल असल में कैसा होगा। बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान आखिरी बार फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' में नजर आए थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही थी। सोशल मीडिया पर बायकॉट ट्रेंड से फिल्म को काफी नुकसान हुआ। इसके बाद आमिर ने एक्टिंग से ब्रेक लेने का ऐलान कर दिया और उन्होंने ये भी साफ कर दिया कि अब वो सिर्फ फिल्में प्रोड्यूस करेंगे।